पञ्चमहायज्ञ पाठ्यक्रम

B.PES हेतु सत्र 2024-25 से

SEMESTER	COURSE TYPE	CREDIT	CODE	COURSE TITLE	MARKS
I	Value Added	02	BPM24-Q101	पञ्च महायज्ञ	50 (30+20)

COURSE OUTCOMES:

CO1 छात्र यज्ञ के यथार्थ स्वरूप से परिचित होंगे।

CO2 छात्र संस्कारवान् बनेंगे तथा व्यक्तित्व विकास होगा।

CO3 छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे।

CO4 छात्र पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होंगे।

UNITS	CONTENTS	Hours
1	**यज्ञ का सामान्य परिचय** 1. यज्ञ का अर्थ एवं भेद 2. अनुष्ठान / पूजा का यथार्थ स्वरूप 3. यज्ञ के अधिकारी, काल, पात्र एवं सामग्री का परिचय 4. यज्ञोपवीत एवं शिखा का महत्त्व 5. यज्ञ का महत्त्व- भौतिक एवं आध्यात्मिक उन्नति, पर्यावरण शुद्धि, संगठन की भावना का विकास, त्याग की भावना का विकास	06
2	**ब्रह्मयज्ञ/सन्ध्या** 1. ब्रह्म यज्ञ का स्वरूप एवं विधि 2. ब्रह्मयज्ञ का महत्त्व- पुरुषार्थचतुष्टय की सिद्धि,, आध्यात्मिक उन्नति एवं मानव निर्माण 3. जप एवं उपासना का स्वरूप	06
3	**देवयज्ञ** 1. देवयज्ञ का स्वरूप, विधि एवं महत्त्व 2. देवता का यथार्थ स्वरूप	06
4	**पितृयज्ञ** 1. पितृ यज्ञ का स्वरूप, विधि एवं महत्त्व 2. श्राद्ध एवं तर्पण का यथार्थ एवं प्रचलित स्वरूप	06
5	**बलिवैश्वदेव एवं अतिथि यज्ञ** 1. बलिवैश्वदेव यज्ञ का स्वरूप एवं विधि 2. बलिवैश्वदेव यज्ञ का महत्त्व- जीवरक्षा एवं असमर्थों को समर्थ बनाना 3. अतिथि यज्ञ का स्वरूप, विधि एवं महत्त्व 4. अतिथि की परिभाषा	06

संस्तुत ग्रन्थ

1. पञ्चयज्ञ महाविधि, गोविन्दाराम हासानन्द, नई सडक, पुरानी दिल्ली
2. पञ्च यज्ञ प्रकाश, स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती, स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध संस्थान, मेरठ
3. ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका, स्वामी दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, दिल्ली